बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २

दोपहर २:०० से ५:००] (रविवार, १७ जुलाई, २००५) [कुल अंक : १००

सूचना : प्रश्न की दाहिनी ओर उसके अंक दर्शाए गए हैं ।

(विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण)

प्र. १ निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्य किसने, किससे तथा कब कहे हैं यह लिखें । ६

१. ''नाजा जोगिया से कहलवा दो, ताकि भगवान तुम्हें अपने पास रखें ।''
२. ''मैं त्यागी होने के लिए गढ़डा जा रहा हूँ ।''
३. ''इन्हें पहचानते हो ?''

प्र. २ निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रसंग को कारण सहित समजाइए । (नौ पंक्ति में) ६

१. अलैया खाचर ने तलवार वापस म्यान कर दी ।
२. प्रसन्न होकर प्रगट भगवान जेठा मेर के यहाँ पधारे ।
३. श्रीजीमहाराज ने पालाओं को कहा, ''मूलजी और कृष्णजी दोनों को बुला लाओ ।''

प्र. ३ निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) ८

१. महिमा **अथवा** संप्रदाय के तीर्थस्थान ।
२. जेतलपुर की गणिका । **अथवा** सुरा खाचर

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में लिखिए । ६

१. श्रीजीमहाराज ने किन दो नामा लिखनेकी आज्ञा की है ?
२. गुरु के कौन-से वचन को नहीं मानना चाहिए ?
३. किन चार सद्गुरु संतों ने वचनामृत की वाणी का संकलन किया है ?
४. भक्तचिंतामणि ग्रंथ का कौन-सा प्रकरण 'फगुए' के नाम से प्रचलित है ?
५. सौ जन्मों द्वारा भी उत्तम भक्त होनेवाला वह इसी जन्म में कैसे उत्तम भक्त बन सकता है ।
६. श्रीजीमहाराज की प्रसादी के पानी का रामबाई ने क्या किया ?

प्र. ५ ''भक्त पर यदि दुःखों.....'' स्वामी की बात पूर्ण करके विवरण लिखिए । ५

अथवा

वचनामृत गढ़डा प्रथम प्रकरण २२ **का निरूपण करें ।**

प्र. ६ नीचे दिए हुए वाक्यों में से केवल पाँच सही वाक्य को ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । ५

प्रसंग : अद्भुतानंद स्वामी ।

१. उनका जन्म कडु गाँव में हुआ था । २. श्रीजीमहाराज के दर्शनों का प्रथम योग उनको कारियाणी में हुआ था । ३. उनके पिता का नाम अजा पटेल एवं माता का नाम देवुबाई था । ४. उनकी शादी मेथाण गाँव में निश्चित हुई । ५. श्रीजीमहाराज के पत्र में मांचा, सुरा, सोमला, अलैया आदी के नाम थे । ६. वे साधु बनने निकले तो सभी सम्बन्धी प्रसन्न हुए । ७. वे मामा के साथ वेजलपुर रामदास स्वामी से मिलने गये । ८. श्रीजीमहाराज ने साधु बनने आए कल्याणदास को देखकर उनकी अवहेलना की । ९. स्वामी की बातें सुनकर उनके तीनभाई भी साधु बन गये । १०. शास्त्रीजी महाराज ने उनकी सेवा का लाभ लिया था ।

प्र. ७ निम्न में से किन्हीं दो पंक्ति को पूर्ण कीजिए । ४

१. जयसि कमलापति ..... गरुड़गामी ।
२. पचरंगी ..... शोभे घणेरां ।
३. व्हाला तारा जुगल चरण ..... मन दीन छे रे लोल ।

प्र. ८ निम्न में से किन्हीं दो को पूर्ण कीजिए । ४

१. जनमंगल नामावलि में से रिक्त नाम पूर्ण करें ।
सहजानंदाय नमः ..... नैष्ठिकव्रतपोषकाय नमः ।
२. न रोधयति मां योगो ..... नेष्टापूर्तं न दक्षिणा ॥
३. मायामयाकृतितमोऽशुभवासनानां ..... शरणं प्रपद्ये ॥

(विभाग - २ : गुणातीतानन्द स्वामी)

प्र. ९ निम्न कथन कौन, किसे और कब कहते हैं यह लिखिए । (किन्हीं दो) ६

१. ''में आपको महाराज का यह वस्त्र प्रसादी के रूप में देता हूँ ।''

२. ''न भूतो न भविष्यति ।''

३. ''उल्टी गंगा नहीं बहेगी ।''

प्र. १० निम्नलिखित में से किन्हीं दो को कारण सहित समझाइए । (नौ पंक्ति में) ६

१. भोलानाथ मूलजी भगत को प्रभु भजन में सहयोग करने लगे ।

२. स्वामीने महाराज की महिमा की बातें करने का निश्चय कर लिया ।

३. अद्‌भुतानंद स्वामी, शुक स्वामी तथा पवित्रानंद स्वामी ने गुणातीतानंद स्वामी से माफी माँगी ।

प्र. ११ निम्नांकित में से किन्हीं दो विषय पर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) ८

१. दर्शन की उत्कट इच्छा ।

२. क्षमाशील ।

३. मैं आप में निरंतर रहता हूँ ।

प्र. १२ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए । ५

१. स्वामी ने मुसलमानों को क्या जवाब दिया ?

२. खंभात के नवाब स्वामी के दर्शन करने क्यों आए ?

३. गुणातीतानंद स्वामी ने पार्षदों को घास काटने क्यों भेजा ?

४. वालजी को गुणातीतानंद स्वामी की आज्ञा का उल्लंघन करने पर क्या नुकसान हुआ ?

५. गुणातीतानंद स्वामी जूनागढ़ मंदिर में कितने समय रहे ?

प्र. १३ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग का वर्णन करके भावार्थ लिखिए । (बारह पंक्तियों में) ४

१. आज्ञाधारक ।

२. रसास्वाद सदा के लिए मिटाया ।

३. महाराज जामीन हुए ।

प्र. १४ निम्नलिखित विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखिए । ६

नोंध : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जाएंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. गुणातीतानंद स्वामी के जीवन की खास खास तिथियाँ.....

(अ) आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा

(ब) आश्विन शुक्ल पूर्णिमा

(क) कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा

(ड) पौष शुक्ल पूर्णिमा

२. गुणातीतानंद स्वामी को महंत बनाया तब श्रीजीमहाराज ने क्या क्या दिया ?

(अ) प्रसादी का थाल । (ब) अपने सब कपड़े ।

(क) पघड़ी । (ड) हार ।

३. श्रीजीमहाराज ने गुणातीतानंद स्वामी की प्रशंसा की.....

(अ) ऐसे सद्‌गुरु तो ये गुणातीतानंद स्वामी हैं ।

(ब) दो सौ संतों में वृत्ति के निरोध करनेवाले मात्र आप ही निकले ।

(क) व्यवहार और मोक्ष दोनों सीखना हो तो जूनागढ में गुणातीतानंद स्वामी के पास जाना ।

(ड) धन्य है इन साधु को ! मेरा बचन नीचे नहीं गिरने दिया ।

(विभाग - ३ : 'सत्संग परिचय' परीक्षा की पुस्तकों पर आधारित)

प्र. १५ निम्न में से किन्हीं तीन के बारे में बीस पंक्ति में विस्तृत टिप्पणी लिखिए । २१

१. हिमराज शाह । **अथवा** परमचैतन्यानंद स्वामी ।

२. गुदड़ी में लाल । **अथवा** सत्संग सुख ।

३. स्वामिनारायण महामंत्र का भजन । **अथवा** पंचाला में बीमारी ।

❋ ❋ ❋